

राहुल गांधी को 3 साल के लिए मिलेगा नया पासपोर्ट

सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा था- सिर्फ एक साल के लिए दिया जाए



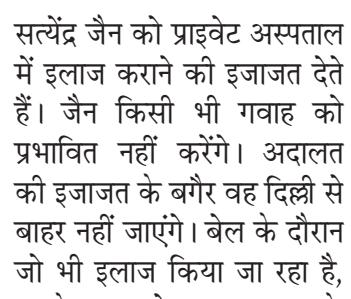
दिया था। उन्होंने नया पासपोर्ट जारी किए जाने की मांग की थी। सुब्रमण्यम स्वामी ने राहुल की याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि 10 साल के लिए पासपोर्ट देने की जरूरत क्या है? केवल एक साल के लिए पासपोर्ट दिया जाए। राहुल से जुड़े दूसरे मामलों पर विचार के बाद ही इस पर फैसला दिया जाना चाहिए। विरोध में सुब्रमण्यम स्वामी-राहुल ने 10 साल के लिए वैध पासपोर्ट की मांग की है, यह मैक्सिम मन्त्री ने अपना डिप्लोमैटिक पासपोर्ट संरेंडर कर

सत्येंद्र जैन को 360 दिन कांग्रेस, भारतीय परंपराओं से बाद 42 दिन की जमानत इतनी नफरत क्यों करती है?

सुर्का ने कहा- इलाज कराएं और उसके दस्तावेज दिखाएं, बिना इजाजत दिल्ली नहीं छोड़ें



नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को गिरफतारी के 360 दिन बाद सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 42 दिन (6 हफ्तों) की जमानत दे दी है। 11 जुलाई तक उन्हें कोर्ट से अंतरिम रात्र किलों ही। 10 जून को उन्हें दोबारा कोर्ट में पेश होना होगा। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा- जैन की सेहत को देखते हुए उन्हें जैन की ओर से एडवोकेट अधिके मनु छोड़ा जाए। इस दौरान वे दिल्ली से बाहर सिंघवी और श्वेत की ओर से ASG राजू ने नहीं जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हम सुप्रीम कोर्ट में दलीलें पेश करें।



संगोल विवाद पर भड़के गृहमंत्री अमित शाह नई दिल्ली। कांग्रेस का कहना है कि संगोल को सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक के रूप में पंडित नेहरू को सौंपने का कोई दस्तावेजी संकेत नहीं है। अब कांग्रेस के इस दावे पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तगड़ा पलवटार किए यह। अमित शाह ने कहा कि देश के एक प्रतिष्ठित मठ ने पंडित नेहरू को संगोल दिया था और अब कांग्रेस उस मठ को ही फर्जी बता रही है! अमित शाह ने कांग्रेस पर भारतीय फर्जी करार दे रही है! कांग्रेस को अपने व्यवहार पर विचार करना चाहिए।

एमपी भाजपा में बदलाव की सुगवुगाहट के बीच एकजुटा दिखाने पर जोर, सीएम के दिल्ली दौरे पर टिकी नजरें

डगमगाते राज को दिल्ली में दुर्घटन करने की कवायत

मोपाल। कर्नाटक में गंगाजा को मिली हार के बाद संघरण ने युनाइटेड को लिए कमर कस ली है। बदलाव की सुगवुगाहट भी तेज हो गई है। बुधवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह धौलान के निवास पर घार दिवाज नेताओं की बैठक के बाद प्रदेश का सियार्थी पाणी चढ़ा हुआ है। इसे प्रदेश ने बदलाव से फैले एकजुटा दिखाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, अब सरकारी नेताओं ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह धौलान के 27 और 28 मई के दिनों दौरे पर दिया है। ऐसे तो यह दौरा कार्रवाइक है लेकिन क्या लगाए जा रहे हैं कि केंद्रीय नेतृत्व से उनकी मुकाबत होती और बदलाव की रूपरेखा तय होती।



नेताओं का असंतोष आ रहा सामने

भाजपा में प्रदेश भाजपा में नाराज नेताओं को मनाने की कवायद में असंतोष खुलकर सामने आया है। जबलुरु पश्चिम से पूर्व विधायक व पूर्व मंत्री हरेंद्रजीत सिंह बबू ने अपनी उद्देश्य का आरोप लगाया था। विजय राधागढ़ के पूर्व विधायक धर्म के बाद वित्त अधिकारी उपर्युक्त का मुद्दा उठाकर कांग्रेस में जाने की धमकी दी है। कट्टनी में कुछ पूर्व विधायक तो खुलकर प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के खिलाफ बयान दे रहे हैं।

केपी ने भी खोला है मोर्चा

ई और पुरानी भाजपा की लड़ाई खुलकर सतह पर आ गई है। 2019 के लोकसभा चुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया को हाराने वाले गुना सासद केपी यादव खुलकर बयान दे रहे हैं। पार्टी में लगातार हो रही उपेक्षा से नाराज केपी ने दो दूक शब्दों में नाराज केपी ने कुछ लोग पार्टी की थाली में खा रहे हैं और उन्हीं में छेद कर रहे हैं। उनका इशारा ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थकों की ओर था।

एमपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बदलने की अटकलें तेज प्रह्लाद पटेल को सोशल मीडिया पर नया प्रदेशाध्यक्ष बनने की मिलने लगी बधाइयां

भोपाल। मध्य प्रदेश भाजपा में बीते दो दिनों से हलचल तेज है। सागर में मंत्रियों की बयानबाजी और सीएम हाउस में हुई केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद पटेल, राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयराय और सीएम शिवराज निंग धौलान के बीच चर्चा के बाद ए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर सरगमी बढ़ी है। अब बीड़ी शर्मा की जगह केंद्रीय राज्यमंत्री प्रह्लाद पटेल को नया प्रदेश अध्यक्ष बनने की चर्चाएं तेजी से चल रही हैं। प्रह्लाद पटेल को शुक्रवार सुबह से ही सोशल मीडिया पर बधाइयां मिल रही हैं। बीजेपी नेताओं, कायर्कर्ताओं से लेकर पटेल के समर्थक उन्हें नया प्रदेश अध्यक्ष बनने की बधाइ दे रहे हैं। इधर, प्रह्लाद पटेल ने इन चर्चाओं को काल्पनिक बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है। फिलहाल वे 28 मई को संसद भवन के कार्यक्रम में शामिल होने जबलुरु से दिल्ली गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने संसद के इनॉग्रेशन पर याचिका नहीं सुनी

याचिकाकर्ता ने पिटीशन वापस ली, कहा- हाईकोर्ट में सुनवाई के लिए नहीं जाएंगे

नई दिल्ली। एप्रिल के इत्तहास के बदलाव की सुगवुगाहट कोर्ट ने नहीं सुनी। जैसे ही याचिकाकर्ता एडवोकेट जया सुकिन ने दिल्ली देनी शुरू कीं, वैसे ही कोर्ट ने कहा- समझ में नहीं आता आप लोग ऐसी याचिका लाते ही क्यों हैं? इसमें आपका क्या इंटरेस्ट है? इसके बाद याचिकाकर्ता एडवोकेट जया सुकिन ने पिटीशन वापस लेने की इजाजत मांगी। केंद्र की ओर से ऐसा देखा गया है कि याचिका वापस लेने के बाद ये हाईकोर्ट भी जा सकते हैं। इस ऐतराज पर कोर्ट ने जया सुकिन से सबाल कि अगर आप हाईकोर्ट जाना चाहते हैं तो हम याचिका रद्द कर देंगे। इस पर सुकिन ने कहा- मैं हाईकोर्ट भी नहीं जाऊंगा।



अरविंद केजरीवाल ने नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार किया

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को होने वाली नीति आयोग की मीटिंग का बहिष्कार करने का फैसला लिया है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रतिवेदन के बहिष्कार करने के लिए केंद्र के हालिया अध्यादेश को लेकर नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। बता दें कि पंजाब के मुख्यमंत्री भावांत मान ने भी शनिवार को होने वाली नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने का ऐलान किया है।

मौसम विभाग का अनुमान

इस साल सामान्य रहेगा मानसून, लेकिन जून में कम बरसेंगे बादल

3 दिन तक पांप

लगाकर जलाशय का पानी खाली कराया जाता रहा। इस दौरान करीब डेढ़ हजार एकड़ में खेत की सिंचाई करने लायक पानी को बहा दिया गया। अनुमान है कि बांध के वेस्ट विवर से रक्केत वाय के बीच जमा 21 लाख लीटर पानी बहा दिया गया।



देश में ताकतवरों के लिए अलग कानून हमें लगा था मेडलिस्ट की सुनी जाएगी

नई दिल्ली, ब्लूग्रॉ। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और बीजेपी नेता बृजपूर्ण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे मेडलिस्ट बजरंग पूर्णिया ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि विरोध इतना लंबा चलेगा। हमने सोचा कि चूंकि हम अंतरराष्ट्रीय एथलीट हैं, इसलिए सरकार हमारी बात सुनेगी। हमारे लिए अपने करियर को जोखिम में डालने का पूरा प्लाईट ही यही था। दुख होता है कि हमें छोड़ दिया गया। मुझे वास्तव में लगता है कि इस देश में दो तरह के कानून हैं, एक आम लोगों के लिए और दूसरा बृजपूर्ण सिंह सिंह जैसे शक्तिशाली लोगों के लिए है।



पॉक्सो का दुरुपयोग, कानून बदलने के लिए सरकार को मजबूर करूंगा...

इधर, पॉक्सो कानून के तहत एक मामले का सामना कर रहे भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और कैसरगंज से बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह हैं। बृजभूषण शरण सिंह में बृजाराज में कहा कि विश्व कानून का दुरुपयोग हो रहा है और वह सर्वोच्च नेतृत्व में इसका बदलने के लिए सरकार को मजबूर करेंगे। सिंह पर योन उत्पीड़न के आदेश के बाद सिंह पर ऐसा दर्जा दिलाकर दिया गया है। लेकिन

संपादकीय

लोगों की उलझान दूर करें

दो हजार रुपये के नोटों की वापसी की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई। अगर बैंकों से लंबी कतारें लगाने या बेहिसाब भीड़ जमा हो जाने की खबरें नहीं आ रहीं तो इसकी एक वजह तो यही है कि इन नोटों का चलन काफी पहले से कम होता जा रहा था। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 31 मार्च 2023 को सर्कुलेशन में मौजूद दो हजार के नोटों की संख्या कुल नोटों का 10.8 फीसदी ही रह गई थी। दूसरी वजह यह भी हो सकती है कि यानी 2016 में हुई नोटबंदी व बार इन नोटों को लीगल टेंडर है। इन्हें बदले जाने की समय ठीकठाक लंबी (30 सितंबर) है। सोमवार को खुद आरबीआई स्पष्ट किया कि 30 सितंबर के मात्र होंगे और यह संकेत भी होने पर यह समयसीमा बढ़ाई जा सकता है।

बाबजूद इसके, दो हजार के नोट वापस लिए जाने की घोषणा करंसी मैनेजमेंट के लिहाज से कोई अच्छी मिसाल नहीं कही जाएगी। भले ही आबादी का बड़ा हिस्सा सीधे तौर पर इस फैसले से प्रभावित न हो रहा हो, लेकिन इसमें हर आम ओ खास के लिए सरप्राइज एलीमेंट जरूर है। इसने सबको न केवल एक बार चौंका दिया बल्कि उनके जहन में दर्ज नोटबंदी के कड़वे अनुभव को फिर ताजा कर

घोषणा के मुताबिक इसकी जरूरत नहीं है लेकिन अलग-अलग बैंकों की ओर से बताया जा रहा है कि इसकी जरूरत होगी। यह भी तय नहीं है कि एक बार में अधिकतम 10 नोट बदलवाने की सीमा का क्या मतलब है क्या यह सीमा एक दिन के लिए है या कतार रक्काउंटर पर आने वाली अपनी बारी से मतलब है। यानी क्या उसी समय दोबारा कतार में लगकर कोई चाहे तो दूसरी और फिर तीसरी बार भी 10-10 नोट बदलवा सकता है? इसके अलावा नोट वापसी की इस घोषणा ने यह विचित्र स्थिति पैदा कर दी है कि दो हजार

के जो नेट देश की करंसी का हिस्सा हैं और आज भी लीगल टेंडर हैं, बाजार में स्वीकार नहीं किए जा रहे। इस स्थिति को निस्सदैह टाला जा सकता था। हालांकि यह बात रेखांकित किए जाने की जरूरत है कि अपने देश में करंसी की साख काफी अच्छी है। वरना डिजिटल ट्रॉजिशन की इतनी तेज और सहज प्रक्रिया संभव नहीं थी। लेकिन हमारे नीति-निर्माताओं को पॉलिसी की स्थिरता से जुड़े सबकों पर शायद फिर से गौर करने की जरूरत है।

ਸਹਜ ਨੋਟ ਵਾਪਸੀ

मतलब, आने वाले समय में अगर नोटों को वापस लेने में कोई परेशानी आती है, तो रिजर्व बैंक तत्काल समाधान के लिए आगे आएगा। यह अच्छा है कि लोगों में फैली चिंता से रिजर्व बैंक पूरी तरह वाकिफ है। गवर्नर ने यह भी कहा है कि जब 2,000 रुपये के नोट चलन में थे, तब भी दुकानदारों में इन नोटों को स्वीकार करने को लेकर अनिच्छा थी। गवर्नर की यह स्वीकारोक्ति खास मायने रखती है।

जब से 2,000 रुपये के नोट की विदाई तय हुई है, तब से लोगों के बीच नाना प्रकार की चर्चाएं चल रही हैं। इन चर्चाओं में या अफवाहों को विराम देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने जो घोषणा की है वह सामयिक और स्वागतयोग्य है। गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को स्पष्ट किया कि 2,000 के नोट बदलने के लिए बैंकों में भीड़ लगाने की जरूरत नहीं है क्योंकि 30 सितंबर की समय-सीमा अर्थात् चार महीने दूर है और भारतीय रिजर्व बैंक



इस प्रक्रिया में आने वाले सभी मुद्दों के प्रति संवेदनशील रहेगा। मतलब, आने वाले समय में अगर नोटों को वापस लेने में कोई परेशानी आती है, तो रिजर्व बैंक तत्काल समाधान के लिए आगे आएगा। यह अच्छा है कि लोगों में फैली चिंता से रिजर्व बैंक पूरी तरह वाकिफ है। गवर्नर ने यह भी कहा है कि जब 2,000 रुपये के नोट चलन में थे, तब भी दुकानदारों में इन नोटों को स्वीकार करने को लेकर अनि�च्छा थी। गवर्नर की यह स्वीकारोक्ति खास मायने रखती है। इससे पता चलता है कि 2,000 के नोटों को जिस तरह का समर्थन या विश्वास लोगों के बीच मिलना चाहिए था, वह नहीं मिला। ऐसे में, इन नोटों की वापसी का फैसला भूल सुधार ही नहीं, बल्कि नोटों पर लोगों की विश्वास बहाली की एक कोशिश भी है। रिजर्व बैंक ने कहा है कि 2,000 के नोट वापस लेने का फैसला सामान्य प्रक्रिया के तहत लिया गया है और स्वच्छ नोट की नीति के अनुरूप यह कदम लोगों को पर्याप्त समय देते हुए उत्तरया गया है। किसी तरह की जल्दी मचाने की जरूरत नहीं है। यह स्पष्टीकरण जरूरी था,

से नोट वापसी संभव हो सकती है। आज से देश भर में 2,000 के नोटों को बदलने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। रिजर्व बैंक ने सभी तरह के आवश्यक निर्देश बैंकों को दे दिए हैं। रिजर्व बैंक ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि 2,000 के बदले लौटाने के लिए बैंकों के पास अन्य नोट पर्याप्त मात्रा में हैं, तो लोगों को जल्दी मचाने की जरूरत नहीं है आरबीआई गवर्नर ने फिर यह देखराहा है कि ये नोट कानूनी निविदा बने रहेंगे। ये नोट मुख्य रूप से विमुद्रीकरण के बाद हाटए गए नोटों की भरपाई के लिए लाए गए थे और अब इनका मकसद पूरा हो गया है। बैंकों के नोट वापसी की पूरी व्यवस्था करने के लिए कहा गया है, ताकि लोगों को चिलचिलाती धूप में न खड़ा होना पड़े, उन्हें किसी तरह की असुविधा न हो। यह बैंकों के लिए भी परीक्षण की घड़ी है। ध्यान रहे, पिछली बार ज्यादात बैंक भीड़ या अव्यवस्था को संभालने में लगभग विफल रहे थे, लेकिन इस बार उन्हें पूरी समझदारी से काम लेना होगा, ताकि कहीं भी लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

आविष्कार..... भारतवर्ष के संदर्भ में इंटेलिजेंस मीठा दर्द न बनजाए?

..... डॉ. सूर्यकांत मिश्र

नई- नई खोज और तकनीक की दुनिया ने अब वह सब करने का प्रयत्न शुरू कर दिया है जो केवल ईश्वर के हाथ तक सीमित था ! मनुष्य के रूप में रोबोट की उत्पत्ति इसी प्रकार इसी तरह की खोज या आविष्कार मानी जा सकती है ! नई शिक्षा नीति के तहत बच्चों को एआई विषय जिसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नाम से जाना जा रहा है , से परिचित और शिक्षित किया जाना शुरू किया गया है। हमारी नई पीढ़ी जो इस विषय को पढ़ रही है वह इसे बेहतर समझ सकती है । जरूरत है ऐसे लोगों को समझाने की जिहोंने इस विषय की कल्पना भी शायद नहीं की थी । सीधे शब्दों में कहूँ तो अपने जीवन के पांच से सात दशकों को देख चुके लोग इसे एक चमत्कार ही मान सकते हैं ! आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ऐसी तकनीक है जिसमें कंप्यूटर अपने प्रोग्राम में कहे जा रहे निर्देशों को समझाने के बाद उन्हें संरक्षित कर लेता है । इसी आधार पर वह भविष्य की जरूरतों को समझते हुए निर्णय लेता है या फिर उसके अनुसार काम करने लगता है । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए अब मशीनों से संवाद करना भी संभव हो गया है । वास्तव में देखा जाए तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने रोबोटिक्स की दुनिया को पूरी तरह बदल कर रख दिया है । इस तकनीक के चलते अब रोबोट में चीजों को सीखने की कला आ गई है। स्थिति यहां तक परिवर्तित हो चुकी है कि अब रोबोट कुछ काम करने का निर्णय खुद ही ले सकता है । यह तकनीक हमारे देश के लिए नई हो सकती है किंतु देखा जाए तो इसकी शुरुआत सन 1950 के दशक में हो चुकी थी । इसे सर्वाधिक लोकप्रियता जापान में मिली जब कंप्यूटर के विकास के लिए कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई ।

मैं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की स्थापना और उसके आविष्कारक की गहराई में नहीं जाना चाहता , वरन् इसे संक्षिप्त में अपने लेख का विषय बनाते हुए अपने पाठकों तक इस नवीन तकनीक को पहुंचाने का प्रयास मात्र करना चाहता हूँ । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तहत स्पीच , रिकानिशन , विजुअल , परफेक्शन , लैंबेज , आईडेंटिफिकेशन और डिसीजन मैकिंग आदि को समझा जा सकता है । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीक की योजना देने से सबसे अधिक प्रयत्न

चिकित्सा क्षेत्र को मिल पाया है। ऑपरेशन जैसे जटिल कामों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस काफी कारगर साबित हो रहा है। इससे कम से कम समय में ज्यादा से ज्यादा लोगों का इलाज संभव हो पा रहा है। शरीर की जटिलताओं को इस माध्यम से समझकर चिकित्सक बहुत ही कारगर तरीके से मरीज को स्वस्थ कर पा रहे हैं। इसी एआई के माध्यम से कीटनाशकों तथा उर्वरकों के दुरुपयोग जैसी चुनौतियों का समाधान भी सामने आ पा रहा है। इसका एक अन्य बड़ा फायदा विनिर्माण और उत्पादन से जुड़े क्षेत्रों को मिल सकता है। यही कारण है कि पिछले कुछ सालों में इन क्षेत्रों में कई कंपनियों ने एआई से जुड़े रिसर्च पर करोड़ों रुपए खर्च किए हैं। वास्तव में देखा जाए तो एआई मशीनों के माध्यम से गलतियों की गुंजाइश कम या खत्म ही हो जा रही है। सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इस तरह की मशीनों को लंबे समय तक उपयोग में लाया जा सकता है। हम यदि अपने देश में सुरक्षा की बात करें तो एआई के माध्यम से सेना के जवानों के लिए रोबोट का इस्तेमाल किया जा सकता है। वर्तमान में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में अपराधियों से लेकर उनके द्वारा उपयोग में लाई जा रही तकनीक को भी एआई के माध्यम से पकड़ा जा सकता है। एआई लोगों की भावनाओं और व्यवहार को समझने में भी सक्षम हो रहा है।

वर्तमान में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में धोखाधड़ी का पता लगाने, वित्तीय लेनदेन में होने वाली अनियमितता, ट्रैडिंग पैटर्न पर निगरानी रखने जैसे मामलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल होने लगा है। भारतवर्ष के संदर्भ में यह अभी नई तकनीक है। धीरे-धीरे इसके अध्ययन - अध्यापन के साथ हमारी वर्तमान पीढ़ी इस विधा में पारंगत होने के बाद इसके लाभों को उठाने लगेगी। इसे बनाने वाले वैज्ञानिकों की सोच के विषय में बात करें तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस घर के रोजर्मर्क के काम के लिए भी फायदेमंद है। मसलन सफाई, इलेक्ट्रिसिटी के काम, कुकिंग आदि के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जा सकता है। अभी कुछ दिन पूर्व जारी वीडियो में हमने देखा कि स्कूल और कॉलेजों में लेक्टर देने का काम भी एआई के माध्यम से संपन्न हो रहा है। वित्तीय और बैंक संस्थानों द्वारा डाटा को व्यवस्थित और प्रबंधित करने के लिए भी एआई का उपयोग

लाभकारी सिद्ध हो रहा है। स्मार्टफोन सिस्टम में भी एआई का इस्तेमाल शुरू हो चुका है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग क्रिकेट, फुटबॉल, बेसबॉल, शतरंज जैसे खेलों की तस्वीरें लेने में प्रमुख रूप से किया जाने लगा है। नए विकसित स्मार्ट शहरों और बुनियादी ढांचे में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग किया जा रहा है। इसके अलावा इसके माध्यम से जीवन को उच्च गुणवत्ता प्रदान की जा रही है। विज्ञान की दुनिया में समुद्र की गहराई में खनिज, पेट्रोल और इंधन की खोज का काम, गहरी खदानों में खुदाई का काम बहुत जटिल होता है। समुद्र की तलहटी में पानी का गहन दबाव होने से आ रही कठिनाई पर एआई की सहायता से इंधन की खोज अब आसान हो गई है।

आविष्कार की दुनिया और नई तकनीकों का उपयोग करने में अब वैज्ञानिक खुद को पीछे नहीं रखना चाहते हैं। इसमें कोई संशय नहीं की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानवीय जीवन में कार्य के तरीकों में बड़ा परिवर्तन लाने जा रहा है। रोबोटिक्स और वर्चुअल रियलिटी जैसी तकनीकों द्वारा उत्पादन और निर्माण क्षेत्रों में बड़ा बदलाव देखा जा रहा है। भारतवर्ष के संदर्भ में इसके नकारात्मक प्रभाव से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। कारण यह कि हमारा देश दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बड़े पैमाने पर बेरोजगारी बढ़ सकती है। कारखानों तथा बैंकों में इसका व्यापक इस्तेमाल होने से हजारों लाखों लोगों की नौकरी जा सकती है! विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल ही में \div दफ्यूचर ऑफ जॉब्स \div की रिपोर्ट जारी की गई इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2025 तक 50 लाख से अधिक नौकरियों पर स्वचालित मशीनों का कब्जा होगा! यह स्वचालित मशीन कोई और नहीं बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ही है। ऑटोमेशन जिसे हम रोबोट ऋति के नाम से जानते हैं, के आने से जिन नौकरियों के खत्म होने का खतरा है उनमें डाटा एंट्री क्लर्क एकाउंटिंग क्लर्क जैसे व्हाइट कॉलर जॉब शामिल हो सकते हैं। हम यदि स्वीकार करें तो एआई का प्रभाव कुछ कुछ नजर आने लगा है। वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि सोचने समझने वाले रोबोट यदि किसी कारण या परिस्थिति में मनुष्य को अपना दुश्मन मानने लगे तो मानवता के लिए भी खतरा पैदा हो सकता है?

भारतवर्ष में वर्तमान समय में लगभग 50.5 से 100 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोफेशनल काम कर रहे हैं। हमारे देश का बैंगलुरु शहर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रमुख केंद्र बन चुका है। यह भी सामने आ रहा है कि भारतवर्ष में लगभग एक हजार बड़ी कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सिस्टम पर प्रतिदिन कार्य करने लगी हैं। गैरतलब है कि नैसर्कों और विक्री की एक रिपोर्ट के अनुसार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वजह से भारत के कुछ प्रमुख औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में तकनीकी विस्तार को बढ़ावा मिलेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के चलते आईटी, स्टेल फाइंसेंस, टेक्स्टाइल और ऑटो सेक्टर में बड़ी संख्या में इकाइयां सृजित हो सकती हैं। वैश्वीकरण के दौर में आज भारत की ई-कॉर्मस कंपनियां उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग कर रही हैं। यही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उत्पादन के परंपरागत कार्य को जैसे श्रम, पूँजी और नवाचार में परिवर्तन लाकर उत्पादकता में वृद्धि को बढ़ावा दे रहा है। स्वास्थ्य क्षेत्र में इस तकनीक के द्वारा अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं तक आम लोगों की पहुंच बढ़ गई है।

हाल ही में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्च रिपोर्ट में जी -20 के सदस्य देशों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आर्थिक प्रभाव का मूल्यांकन किया गया, जिसमें यह पाया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से भारत की वार्षिक वृद्धि दर 2035 तक 1.3 प्रतिशत तक जा सकती है। वर्तमान में गूगल, फेसबुक और लिंकडइन जैसी तकनीकी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक में निवेश कर रही हैं और लोगों को रोजगार का अवसर भी मुहैया हो पा रहा है। हमें भारतवर्ष के संदर्भ में इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। कारण यह कि जनसंख्या के मान से प्रति व्यक्ति को काम की तलाश है। कहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भारतीय योग्य लोगों से भी काम ना छीन ले इस बात की चिंता योजनाकारों को करनी होगी। वैसे भी यह माना जाता है कि जब किसी नई तकनीक का उदय होता है तब कहीं ना कहीं समस्याएं भी जन्म लेती हैं। हमारी वर्तमान पीढ़ी के लिए एआई की शिक्षा आने वाले समय में वरदान सिद्ध हो सकती है।

**क्वालिटी क्रिकेट, नियमों में बदलाव या रोमांच,
किस एक बात के लिए याद रहेगा यह आईपीएल**

(मनोज चतुर्वेदी)

टाटा इंडियन प्रीमियर लीग अपने 16वें सत्र तक पहुंचते-पहुंचते काफी बदल गई है। एक बदलाव तो नियमों के बदलने से आया है और दूसरा टीमों में परिपक्वता आने की वजह से। परिपक्वता की बदौलत इस सत्र के मुकाबलों में पिछले सालों के मुकाबले कहीं ज्यादा क्लॉलिटी क्रिकेट खेली गई और मैचों में कड़ा संघर्ष देखने को मिला। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस बार लीग कार्यक्रम के आखिरी मैच के बाद ही यह तय हो सका कि प्लेऑफ में स्थान बनाने वाली चौथी टीम कौन सी है।

तैयार किया और उन्होंने 169.87 की स्ट्राइक रेट से 282 रन बनाकर चेन्नई के अभियान में अहम भूमिका निभाई। इसी प्रदर्शन की वजह से उन्हें वर्ल्डटेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह भी मिली। इसी तरह राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल एक ओपनर के तौर पर और केकेआर के रिकॉर्ड सिंह मध्यक्रम में अपने झंडे गाड़कर टीम इंडिया के दावेदार के तौर पर अपनी छवि बनाने में सफल रहे। यशस्वी ने एक शतक और पांच अर्धशतकों से 625 रन बनाए। वहीं रिकॉर्ड सिंह ने चार अर्धशतकों से 474 रन बनाए। ये दोनों ऐसे बैटस्ट थे, जिनके खिलाफ कोई भी गेंदबाज दबाव नहीं बना सका।

नियम जो बदले गए

आईपीएल में जहां तक नियमों में बदलाव की बात है तो यह टी-20 लीग इस मामले में हमेशा आगुआई करती रही है। इस बार लाग किए गए डॉपैक्ट प्लेयर के नियम ने तो 11-11

इस बारोडा पूर्वानुदान इनमें राजपत्रकारों की भवित्वा में खिलाड़ियों वाले इस खेल को 12-12 खिलाड़ियों वाले खेल में बदल दिया है।

इसमें मैच खेलने वाली दोनों टीमों को खेल शुरू होने से पहले चार-चार स्थानापत्र खिलाड़ियों के नाम देने पड़ते हैं और वह मैच में किसी भी समय इन चार खिलाड़ियों में से किसी पक्क

वह भवं तम किसा भा सभव इन घार खिलाइया म स किसा एक
को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है।

वाइड गेंद के लिए डीआरएस लागू करने से अंपायरों पर
थोड़ा दबाव बढ़ गया है।

अब बल्लेबाजी और गेंदबाजी करने वाली टीमों को अंपायर
के वाइड गेंद के फैसले का रिव्यू कराने का अधिकार दिया गया है।

इन बदलावों से सबसे ज्यादा किसी का फायदा हुआ है तो
वह है क्रिकेट का। इस लीग ने युवाओं को अच्छा अनुभव
दिलाकर क्रिकेट का स्तर उठाने में मदद की है। ऊपर व्यक्त

सरपंच 20 हजार की रिश्वत लेते लोकायुक्त की चपेट में आई

मण्डला।

जिले में भ्रष्टाचारियों की पोल खुलना शुरू हो गई है इन दिनों रिश्वतखोरे जमकर चल रही हैं कहीं कर्मचारी तो कहीं अधिकारी रिश्वत लेते रोग हाथों पकड़े जा रहे हैं। इसके बावजूद भी अधिकारी कर्मचारी रिश्वत लेने से बाज नहीं आ रहे हैं। एक बाज पिर गुरुवार को जिले के विकासखंड निवास और केन्द्रीय राज्यमंत्री संहित कुलस्ते के गह ग्राम जेवरा में एक महिला सरपंच 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते रोग हाथ लोकायुक्त के हथे चढ़ी हैं।

जानकारी अनुसार संबल योजना के अंतर्गत पीडित महिला को दो लाख रुपये मिलने थे जिसकी राशि जमकर लिये तो लिये 20 हजार की रिश्वत सरपंच द्वारा मांगी गई थी बता दे कि ग्राम जेवरा निवासी श्रीमति चरखी बाई पर्याप्त रिश्वत की राशि लेकर सरपंच के घर देने पहुंची। जब लोकायुक्त की टीम ने पीडित महिला से 20 हजार रुपए लेते रोग हाथों पकड़ा बता दे कि शासकीय सेवक शासन का कर्मचारी और लोकसेवक शासन से लाभ प्राप्त करने वाला सरपंच से देव तक सरपंच को पकड़ा चरखी बाई ने लोकायुक्त के द्वारा सेवाकर्यत तो जिसके बाद गुरुवार सुबह आवेदिका द्वारा



दोषी होगा। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान एवं सरपंच को भ्रष्टाचारी का दोषी माना। उच्च न्यायालय ने सरपंच को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 एवं 13/1 सहपटित धारा 13/2 में मामला दर्ज किया गया है अपराध संज्ञा एवं अजमानतीय होंगे लोकसेवक के ऊपर अपराधक मामलों की जाँच से पहले सरकार से मंजूरी लेने की है रिश्वत संबंधित मामलों में लोकपाल या लोक आयुक्त की स्वीकृति से पुलिस अधिकारी द्वारा संज्ञान लिया जा सकता है। अगर किसी अन्य विषेष विधि से सम्बंधित अपराध हैं तब न्यायालय की मंजूरी से पुलिस अधिकारी संज्ञान ले सकते हैं।

इस कार्रवाई में सुरेखा प्रभार उप पुलिस अधीक्षक, निरीक्षक सुश्री रेखा प्रजापति, निरीक्षक नरेश सेकेण्डरी की परीक्षा में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है जो पिंडियां नार एवं छोटे होंगे लोकसेवक रिश्वत लेते हुए पकड़ा जाए तो किस कानून के तहत कार्रवाई होगी। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 के तहत अगर कोई व्यक्ति लोकसेवक होते हुए किसी विवाह एवं टीम के सदस्य शामिल रहे। कार्यवाही से क्षेत्र में हडकम्प मच गया चरखी अनुसार यह पहला मामला है जब कोई सरपंच रिश्वत लेता है तो लोकसेवक अधिनियम की धारा 7 के अंतर्गत लोकपाल का हिस्सा होते हैं।

कलेक्टर ने ली नगरीय समीक्षा बैठक

मण्डला।

नगरीय निकायों में संचालित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि नगरीय निकायों को स्वच्छ और सुंदर बनाने का योजना प्रयास करें। अमाजन को स्वच्छता का महत्व बताते हुए उन्हें अपने घर, मोहल्ले एवं नगर को स्वच्छ बनाने के लिए प्रेरित करें।

उहाँने स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रेरणास्तंष्ठ गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में सहायता कलेक्टर अर्थ जैन, समस्त नगरपालिका अधिकारी सहित संबंधित उपस्थित रहे। कलेक्टर ने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक विषयों पूर्ण करें। उहाँने कहा कि कहीं भी कचरा फैला न रहे, वार्डों की सफाई कराएं।

नगर के प्रमुख चौराहों तथा मार्गों में स्वच्छता संभाली पर्टिंग कराएं एवं नगर लिखावाएं। कबाड़ से जुगड़ की तज में काम करते हुए अनुपयोगी सामग्री को भी उपयोग में लाएं। डॉ. सिडाना ने कहा कि गोली करने से खाद बनाने तथा सुखे करने के नियादान, सीएनडी, एफएसटीपी एवं एमआरएफ आदि के संबंध में लांबकुक संधरित करें।

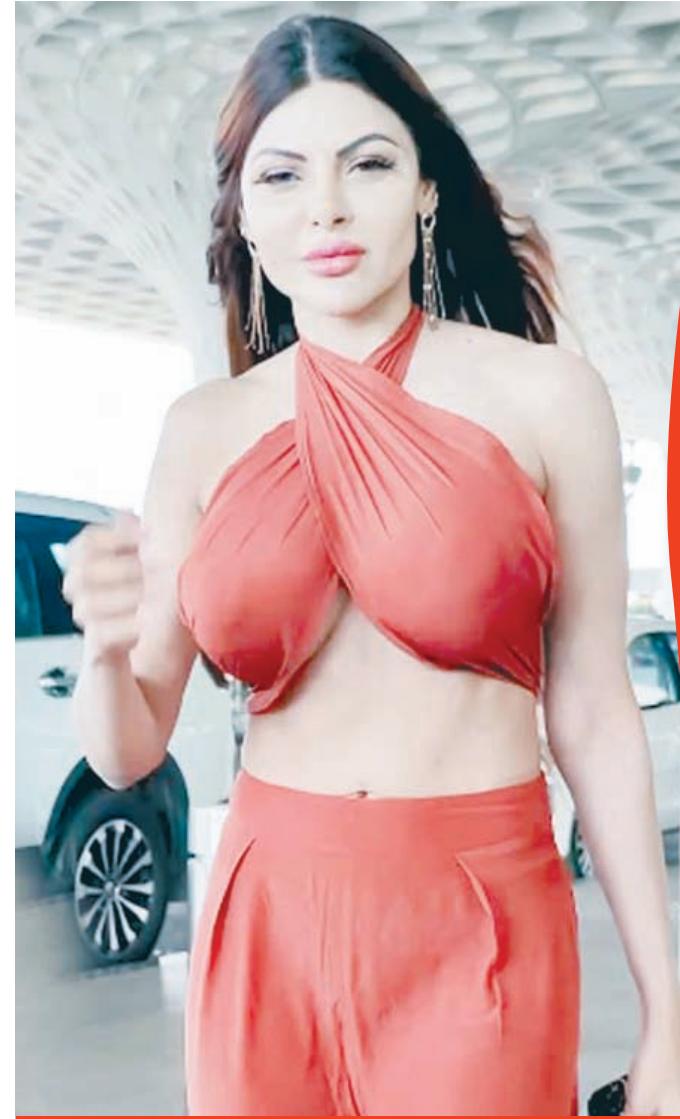
सफाई कराएं। विवासियक क्षेत्रों में विशेष ध्यान दें। प्रमुख स्थलों पर डस्टबिन लगाएं। लोगों को गाड़ी में ही कचरा डालने के लिए प्रेरित करें।

सहायता कलेक्टर अर्थ जैन, समस्त नगरपालिका अधिकारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि गोली करने से खाद बनाने तथा सुखे करने के नियादान, सीएनडी, एफएसटीपी एवं एमआरएफ आदि के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए एवं आवश्यक विषयों की विवादित करें।

नियमित सफाई कराएं।

नियमित सफ



ब्रालेस आउटफिट को

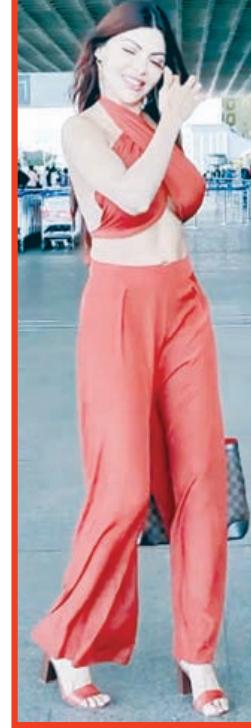
बाट-बाट संगालती दिखीं शर्लिन

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मॉडल शर्लिन चोपड़ा आए दिन किसी न किसी बजाए के चलते लाइफस्टाइल में बनी रहती हैं। शर्लिन अक्सर अपने बयानों के चलते नई-नई कॉन्ट्रोवर्सिज क्रिएट करती रहती हैं। इसके अलावा अपने रियोलिंग आउटफिट्स के चलते भी वह हमेशा यूजर्स के निशाने पर बनी रहती है। इसी बीच शर्लिन चोपड़ा का नया वीडियो को देखकर साक नजर आ रहा है। शर्लिन बार-बार अपने क्रापॉटों को ठीक करती हुई नजर आ रही थीं। इतना ही नहीं इस तरह उनका उपरस्त मूटौट भी कैमरों से बच नहीं पाया। हालांकि शर्लिन ने कैमरे के सामने अपना पूरा कॉन्फिनेंस दिखाया।

दरअसल शर्लिन चोपड़ा को मुंबई एयरपोर्ट पर कैमरे की दिखाया गया। जहां वह लूज पैंट और मैचिंग ब्रालेस क्रॉप टॉप पहनकर पहुंची थी। हालांकि इस आउटफिट में वह कितनी अनकंफेंट थी ये इस वीडियो को देखकर साक नजर आ रहा है। शर्लिन बार-बार अपने क्रापॉटों को ठीक करती हुई नजर आ रही थीं। इतना ही नहीं इस तरह उनका उपरस्त मूटौट भी कैमरों से बच नहीं पाया। हालांकि शर्लिन ने कैमरे के सामने अपना पूरा कॉन्फिनेंस दिखाया।

लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स ने शर्लिन चोपड़ा को जमकर फटकार लगाई है। उनका कहना है कि एयरपोर्ट के लिए इस तरह के कपड़े पहनने की क्या ज़रूरत है। वहीं कुछ यूजर्स का कहना है कि फोटोशूट्स और फिल्मों के वर्त समझ आता है कि ऐसे कपड़े पहनने पड़ते हैं। लेकिन रियल लाइफ में ऐसा करने की क्या ज़रूरत है। कुछ लोगों ने शर्लिन को

राखी



जाहवी कपूर की लेटेस्ट तस्वीरें सामने आई हैं जिनमें वो सिफर शर्ट पहनकर बोल्ड अदाएं दिखा रही हैं। बेकेशन मोड पर एक्ट्रेस का ये अंदाज देख लोगों के दिल धड़क ढंडते हैं। जाहवी कपूर क्या बेकेशन पर हैं। कम से कम उनकी ये तस्वीरें देखकर तो यही लग रहा है कि शूटिंग से ब्रेक लेकर जाहवी इस वक किसी खुबसूरत जगह पर अपना हाँसीडे इन्झॉय कर रही है। हालांकि ये जगह कौन सी इसका खुलासा फिल्माल नहीं हो पाया है।

जाहवी कपूर में बैठी दिख रही हैं वो भी सिफर व्हाइट शर्ट पहन हसीना की नीटी अवाएं दिलों को धड़का रही है। खुले बाल और चेहरे पर मासम सी मुकुराहट बिखेरे जाहवी ने बेटीय तुक में भी बेहद खुबसूरत लग रही हैं।

वहीं शाम का नजारा और भी खुबसूरत है। बोट में लेटक चिल करतीं जाहवी, लहरों पर झुलती बोट और खुबसूरत नजारा। वहीं ये पोस्ट सामने आते ही सेलेब्स और फैस जमकर इस पर कमेंट कर रहे हैं और इस खुबसूरत लोकशन के बोरे में पूछ रहे हैं। जाहवी कपूर इन दिनों अपनी फिल्मों को लेकर भी खासी छाई हुई हैं। जल्द ही उनकी

जाण गण मन और बवाल रिलीज होगी। बवाल में वो वरुण धर्वन के साथ दिखेंगी जिसका शिटिंग पूरी हो चकी है और इसी साल ये फिल्म रिलीज होने वाली है। वहीं इसके अलावा जिस बजह से जाहवी खूब चर्चा में है वो है उनकी साड़थ मूवी देवरा जिसमें वो जूनियर एन्टीआर की होमेडन बनने जा रही है।

फिल्म से उकाप फहला लुक सामने आ चुका है जो जबरदस्त है कापी समय से वो जूनियर एन्टीआर के साथ काम करना चाह रही थी और अब उनका ये सपना पूरा होने जा रहा है।

हेल्थ

जोड़ों के दर्द से हैं परेशान

तो ज्यादा नहीं सिफर लाइफस्टाइल में 5 बादलाव करें



इन अच्छी आदतों से कंट्रोल रहेगा जोड़ों का दर्द

- शोषण पर लगान - हेल्थलाइन की खबर के मुताबिक यदि आप गठिया के मरीज हैं तो हर हाल में वजन कम करें। अगर वजन ज्यादा रहेगा तो यूरिक एसिड कंट्रोल नहीं होगा। शोषण अपने आप में कौमारियों का घर है। ज्यादा वजन ही तो यूरिक एसिड भी हाँसी हो जाता है। वहीं उस विश्विति में यूरिक एसिड को पेशाब के रास्ते निकलने में परेशानी होती है।
- हानिकारक फूड से दूरी - कुछ फूड यूरिक एसिड को बढ़ा दिया। जिस थीं में एडेड शुगर हो जैसे कि सॉफ्ट ड्रिंक, वरेज, सोडा आदि उसका सेवन यूरिक एसिड को बढ़ा देता है। इसी तरह प्रोसेस्ड और रेड मीट, गेंहूं, बाली आदि न्यूट्रेन फूड, फास्ट फूड, रिफाइन्ड आटा, अल्कोल, शाराब, पिज्जा, बगर, ज्यादा नमक बाली थीं आदि गठिया के मरीजों को नहीं खाना चाहिए।
- शुगर को कंट्रोल करें - पब मेड सेंट्रल जर्नल के मुताबिक अगर ब्लड शुगर बढ़ा रहेगा तो यूरिक एसिड भी बढ़ जाती है। ब्लड शुगर न बढ़ें, इसके लिए रोजाना सांखत अनाज, मटा अनाज, हरी पत्तियां संजिया, ताजे फल आदि का सेवन करना होता है।
- ज्यादा पानी पीएं - शरीर में जब शोषिक एसिड बढ़ता है तो यह पेशाब के रास्ते बाहर निकला दिया जाता है लेकिन अगर शरीर में पानी की कमी है तो यूरिक एसिड उन्ना नहीं निकलेगा। इसलिए जितना अधिक पानी पीएं उन्ना अधिक यूरिक एसिड पानी के रास्ते बाहर निकले जाते हैं। कौमी में यूरिक एसिड को घटाने के लिए कौमी का सेवन भी कर सकते हैं।
- नियमित एक्सरसाइज - शायद योग्य विलिंग के मुताबिक यदि आप गठिया के दर्द से रहते हैं। इसके लिए एक्सरिजिक एक्सरसाइज करनी चाहिए। इसमें तेज गति से चलाना, साक्षियां, रिक्षियां और बाटर एक्सरिजिक शामिल हैं। इसके लिए हर सप्ताह कम से कम 150 मिनट तक हार्ड एक्सरिजिक एक्सरसाइज करनी चाहिए। आप एक बार में 10 मिनट की एक्सरसाइज कर सकते हैं।

समंदर के बीच

बोट पर यूं चिल कर दहीं जाहवी

सिर्फ शर्ट पहनकर दिखा दी नॉटी अदाएं

फीचर

दैनिक शौर्य टाईम्स

ईरान ने बनाई 2,000 किमी रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल



ब्रह्मास्त्र ▶ तहरान 1500 किलोग्राम तक का वारंडे ले जाने में सक्षम है। ईरान किलोमीटर की रेंज वाली बैलिस्टिक मिसाइल की सफल टेस्टिंग की है। ईरान का दावा है कि ये मिसाइल मिडिल इंस्ट्री में मोजद अमेरिका और इजराइल के बेस तक पहुंचने में सक्षम है। अमेरिका और यूरोप की तरफ से लगातार विरोध के बाद भी ईरान ने कहा है कि वो अपने मिसाइल प्रोग्राम को विकसित करता रहेगा। ईरान के रास्ते में अपनी रक्षा करने वाले दूसरों के बताना याहां है। यह बैलिस्टिक मिसाइल अमेरिका के टॉमहॉक से भी ज्यादा दूरी तक मार करने में लाभ है। कुछ दिन पहले ही न्यूज एंजेसी एपी की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ईरान अपनी न्यूविंयर कैसिलीटी को इजराइल और अमेरिका के हमले से बचाने की पूरी कोशिश कर रहा है। वो अब पहाड़ी इलाके में जमीन के नीचे परमाणु हाथियां बना रही हैं। इसकी सैटेलाइट टस्वीरें भी सामने आई थीं।

लंदन में 143 करोड़ में बिकी टीपू सुल्तान की तलवार



सोने से शास्त्र की तलवार लिखा हुआ है। मुगलों के हाथियां बनाने वाले ने टीपू की तलवार जर्मन लैडे देखकर बांडी थी। इसे 16वीं सदी में भारत भेजा गया था। तलवार के हैंडल पर सोने से शादी को उकेरा गया है। इसमें भगवान की पांच वालिटी बर्वाई गढ़ है। ऑक्सन हाउस के दौरे तलवार खारीदों के लिए लोगों के बीच कापी कामिंग्पाइट्स देखने को मिला। 4 मई 1799 की टीपू सुल्तान की हार के बाद उनके बेलूलम से निकाला गया था। ये तलवार टीपू सुल्तान के अहम हाथियारों में शामिल थी। इसके हैंडल पर सोने से 'शास्त्र' की तलवार के बीच लोगों के बीच कापी कामिंग्पाइट्स से उत्तराधिकारी के हैंडल पर सोने से शास्त्र की तलवार भी शामिल थी। ऑक्सन हाउस के मुताबिक टीपू की तलवार को ब्रिटिश आर्मी ऑफिसर मैरिज जनरल लैटिंग एवर्ड को टोकन के तौर पर गिरफ्त किया गया था। इनमें ये तलवार भी शामिल थी। ऑक्सन हाउस के मुताबिक टीपू की तलवार को ब्रिटिश आर्मी ऑफिसर मैरिज जनरल लैटिंग एवर्ड को टोकन के तौर पर गिरफ्त किया गया था।

बुलक से नहीं भाग सकेंगे इनरान-बुथाया



मास्टरमाइंड भी फौज इमरान को ही मान रही है। इसके पहले उनके खिलाफ पुख्ता सबूत जुटाए जा रहे हैं। यह बजाए हो गए खान-तुशरा में बुल 600 लोगों का नाम ना पलाया लिस्ट में शामिल किया गया है। इमरान का नाम ना पलाया लिस्ट में शामिल कर लिया गया है। दूसरी तरफ, आर्मी चीफ जनरल एसिम सुनीर ने गुरुवार को कहा- 'फौज के ठिकानों पर हमले करने वाले भलेंगे और न उड़ाने वाले भलेंगे।' जाती है। फौज के ठिकानों पर हमले करने वाले भलेंगे और न उड़ाने वाले भलेंगे। इसका लेनदेन यह है कि फौज के ठिकानों पर हमले करने वाले भलेंगे और न उड़ाने वाले भलेंगे। इसका लेनदेन यह है कि फौज के ठिकानों पर हमले करने वाले भलेंगे और न उड़ाने वाले भलेंगे। इसका लेनदेन यह है कि फौज के ठिकानों प

संक्षिप्त समाचार

मैच प्ले के पहले मुकाबले में हारी अदिति अशोक

लास वेगास। भारतीय गोलकर अदिति

अशोक को यांत्र वैक और हॉप एलपीजीए

मेंच प्ले के शुरुआती दौर के मुकाबले में

फ्रांस की परिन डेलाकोर के खिलाफ अधिकारी समय बढ़ाव बनाने के बावजूद हार का समान करना पड़ा। अदिति ने अधिकारी समय

मुकाबले में बढ़ाव बनाई हुई थी लेकिन अंतिम हाल में पछड़ गई। अदिति और डेलाकोर ने लॉन्ग बैल से पहले समान पांच बर्डी की थी लेकिन फ्रांस की खिलाड़ी ने 18वें और 20वें हाल में एक और बर्डी लगाकर भारतीय खिलाड़ी को पछड़ दिया। इन्होंने में 64 खिलाड़ी हिस्सा ले रही है जो तीन दिन रात रोबिन के आवार पर खेलेगी। प्रार्केट 16 युप का विजेता नंकाऊ आउट में जगह बनाएगा।

रोनरफोर्ड बीटन से हटा प्रतिबंध, गेंदबाजी करने पर लगी थी रोक

जमका। वेस्टइंडीज के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज रोनरफोर्ड बीटन का गेंदबाजी एवं खिलाफ गेंदबाजी हो गया है और अब वह दोबारा से गेंदबाजी शुरू कर पाये। हाल ही में उनका गेंदबाजी एवं खिलाड़ी का इन्लैंड में आकलन हुआ और उनका एक्शन पूरी तरह से देख पाया गया। इस तेज गेंदबाज के एक्शन को गेंदबाज नेशनल टेस्टिङमें जमका रक्कायन्सप्रथम श्रीनी में के तेज गेंदबाज किया गया था। जहां उन्होंने पांच विकेट लिए थे। बीटन ने तब अपनी कार्रवाई को फिर से तेजर करने के लिए उपवासकम कार्य किया, और वीडियो फुटेज को इस मौजीने की शुरुआत में इटालियन सुपर कप का खिताब जीता था और उस मैच में भी मार्टिनेज ने गोल दागा था। इंटर मिलान का लक्ष्य अब चैपियंस लीग का खिताब जीतना होगा जिसके फाइनल में मैनचेस्टर सिटी से भिड़ेगा।



इंटर मिलान ने इटालियन कप का खिताब जीता

रोम। लुटारो मार्टिनेज के दो गोल की मदद से इंटर मिलान ने फियोरेटीना को 2-1 से पराजित करके इटालियन कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। उन्होंने अपना यह शानदार प्रदर्शन जारी रखा और इंटर मिलान को इटालियन कप का महत्वपूर्ण खिताब दिलाया। इंटर मिलान का यह इस सत्र में दूसरा खिताब है। इससे पहले उसने जनवरी में इटालियन सुपर कप का खिताब जीता था और उस मैच में भी मार्टिनेज ने गोल दागा था। इंटर मिलान का लक्ष्य अब चैपियंस लीग का खिताब जीतना होगा जिसके फाइनल में मैनचेस्टर सिटी से भिड़ेगा।

भारत, यूएई, मालदीव और चीन एक ग्रुप में

ब्लूरो ■ नई दिल्ली

भारत को अपने साल करतर में होने वाले एफकी अंडर 23 प्रशियाई कप फुटबॉल प्रतियोगिता के बलालीफायर्स के लिए संयुक्त अब अमीरात (यूएई), मालदीव और चीन के साथ यूप जी में रखा गया है। टूर्नामेंट के अधिकारिक ड्रॉ एफकी के कार्यालान्पुर स्थित मुख्यमान से गुरुवार को दालेगा। यूप जी के मैच छह से 12 सितंबर के बीच चीन में खेले जाएंगे।

जूनियर एथलीटिक कप हाँकी

भारत ने जापान को हाराया

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हाँकी टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अपांग माल चले जानी पर एथलीटिक कप में पूल एक दूसरे मैच में जापान को 1-1 से हारा दिया। भारत के लिए आरादीतीन से हुंडल (360) शारदानंद तिरी (39वा) और उत्तम सिंह (56वां) ने गोल दागे। वहीं जापान के लिए कुओडी यासुडा (19वां) ने गोल दागा। भारत की शानदार दूसरी जीत है। भारतीय खिलाड़ियों ने हाल ही में फिल्म देव देवार को खेला जाए विदेशी एवं खिलाड़ियों के लिए उपवासकम का रोक लगाया। और इंटर मिलान को इटालियन कप का महत्वपूर्ण खिताब दिलाया। इंटर मिलान का यह इस सत्र में दूसरा खिताब है। इससे पहले उसने जनवरी में इटालियन सुपर कप का खिताब जीता था और उस मैच में भी मार्टिनेज ने गोल दागा था। इंटर मिलान का लक्ष्य अब चैपियंस लीग का खिताब जीतना होगा जिसके फाइनल में मैनचेस्टर सिटी से भिड़ेगा।

हाँकी में भारतीय महिला ऑस्ट्रेलिया ए से हारी

एडीलैंड।

भारत की टीम जुलाई प्रदर्शन के बावजूद यहां ऑस्ट्रेलिया ए से 2-3 से हार गई। भारत के लिये सलीमा कुमार (54वें मिनट) और संगीता आयोजन स्क्लर पर रातड रोबिन का लिये एलिस आरोटॉ (20वा) और रुबी हैरिस (20वा और 35वां मिनट) ने गोल दागे। पहले व्हारार में मेजबान को दो पेल्ली कॉर्नर मिले तथा दूसरे दिन चारके एक गोल का लिये एलिस आरोटॉ (23वा) और रुबी हैरिस (20वा और 35वां मिनट) ने गोल दागे। फिल्हाल यहां अपने राष्ट्रीय टीम का साथ यूप जी में रखा गया है। टूर्नामेंट के अधिकारिक ड्रॉ एफकी के कार्यालान्पुर स्थित मुख्यमान से गुरुवार को दालेगा। यूप जी के मैच छह से 12 सितंबर के बीच चीन में खेले जाएंगे।

जूनियर एथलीटिक कप हाँकी

भारत ने जापान को हाराया

नई दिल्ली।

भारतीय खिलाड़ियों ने हाल ही में फिल्म देव देवार को खेला जाए विदेशी एवं खिलाड़ियों के लिए उपवासकम का रोक लगाया। और इंटर मिलान को इटालियन कप का महत्वपूर्ण खिताब दिलाया। इंटर मिलान का यह इस सत्र में दूसरा खिताब है। इससे पहले उसने जनवरी में इटालियन सुपर कप का खिताब जीता था और उस मैच में भी मार्टिनेज ने गोल दागा था। इंटर मिलान का लक्ष्य अब चैपियंस लीग का खिताब जीतना होगा जिसके फाइनल में मैनचेस्टर सिटी से भिड़ेगा।

एजेंसी ■ नई दिल्ली

43 टीमें भाग लेती जिन्हें 11 यूप में बांधा गया है। इनमें 10 यूप में चार चार खिलाक एक ग्रुप में जीते हैं। प्रत्येक खिलाक और चैम्पियन एडीलैंड की ओर आयोजन स्क्लर पर रातड रोबिन का लिये एलिस आरोटॉ (20वा) और रुबी हैरिस (20वा और 35वां मिनट) ने गोल दागे। पहले व्हारार में मेजबान को दो पेल्ली कॉर्नर मिले तथा दूसरे दिन चारके एक गोल का लिये एलिस आरोटॉ (23वा) और रुबी हैरिस (20वा और 35वां मिनट) ने गोल दागे। फिल्हाल यहां अपनी राष्ट्रीय टीम का साथ यूप जी में रखा गया है। टूर्नामेंट के अधिकारिक ड्रॉ एफकी के कार्यालान्पुर स्थित मुख्यमान से गुरुवार को दालेगा। यूप जी के मैच छह से 12 सितंबर के बीच चीन में खेले जाएंगे।

जूनियर एथलीटिक कप हाँकी

भारत ने जापान को हाराया

नई दिल्ली।

भारतीय खिलाड़ियों ने हाल ही में एफकी अंडर 23 प्रशियाई कप फुटबॉल प्रतियोगिता के बलालीफायर्स के लिए संयुक्त अब अमीरात (यूएई) का लिये एलिस आरोटॉ (23वा) और रुबी हैरिस (20वा और 35वां मिनट) ने गोल दागे।

जूनियर एथलीटिक कप हाँकी

भारत ने जापान को हाराया

नई दिल्ली।

भारतीय सप्लाई का लिये एलिस आरोटॉ (23वा) और रुबी हैरिस (20वा और 35वां मिनट) ने गोल दागे।

जूनियर एथलीटिक कप हाँकी

भारत ने जापान को हाराया

नई दिल्ली।

भारतीय सप्लाई का लिये एलिस आरोटॉ (23वा) और रुबी हैरिस (20वा और 35वां मिनट) ने गोल दागे।

जूनियर एथलीटिक कप हाँकी

भारत ने जापान को हाराया

नई दिल्ली।

भारतीय सप्लाई का लिये एलिस आरोटॉ (23वा) और रुबी हैरिस (20वा और 35वां मिनट) ने गोल दागे।

जूनियर एथलीटिक कप हाँकी

भारत ने जापान को हाराया

नई दिल्ली।

भारतीय सप्लाई का लिये एलिस आरोटॉ (23वा) और रुबी हैरिस (20वा और 35वां मिनट) ने गोल दागे।

जूनियर एथलीटिक कप हाँकी

भारत ने जापान को हाराया

नई दिल्ली।

भारतीय सप्लाई का लिये एलिस आरोटॉ (23वा) और रुबी हैरिस (20वा और 35वां मिनट) ने गोल दागे।

जूनियर एथलीटिक कप हाँकी

भारत ने जापान को हाराया

नई दिल्ली।

भारतीय सप्लाई का लिये एलिस आरोटॉ (23वा) और रुबी हैरिस (20वा और 35वां मिनट) ने गोल दागे।

जूनियर एथलीटिक कप हाँकी

भारत ने जापान को हाराया

नई दिल्ली।

भारतीय सप्लाई का लिये एलिस आरोटॉ (23वा) और रुबी हैरिस (20वा और 35वां मिनट) ने गोल दागे।

जूनियर एथलीटिक कप हाँकी

भारत ने जापान को हाराया

नई दिल

